डिग्री मिली तो खिल उठे 8197 छात्र-छात्राओं के चेहरे

यूटीयू के दीक्षांत समारोह में 105 को मिले गोल्ड और सिल्वर मेडल

संवाद न्यूज एजेंसी

देहरादून। वीर माधो सिंह भंडारी उत्तराखंड प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय (यूटीयू) के दिक्षांत समारोह में 8197 छात्र-छात्राओं को डिग्री मिली तो उनके चेहरे खुशी से खिल उठे। इसमें 54 छात्र-छात्राओं को गोल्ड, 51 को सिल्वर मेडल और 59 को पीएचडी की उपाधि मिली।

59

को पीएचडी की उपाधि

मंगलवार को सुद्धोवाला स्थित विवि के सभागार में आयोजित समारोह में इसरो अध्यक्ष डॉ. एस सोमनाथ को विवि की ओर से डीलिट और आईआईटी कानपुर के पूर्व प्रो. पद्मश्री एचसी वर्मा को डीएसडी की मानद उपाधि दी गई। विवि के कुलाधिपति व राज्यपाल ले. ज. (सेनि.) गुरमीत सिंह ने मुख्य अतिथि और तकनीकी शिक्षा मंत्री सुबोध उनियाल ने विशिष्ठ अतिथि के तौर पर शिरकत की। उन्होंने विवि के डिजी लॉकर का भी उद्घाटन किया। कुलपति डॉ. ओंकार सिंह ने बताया, ये डिग्रियां वर्ष 2021-22 से 2022-23 तक पास आउट छात्र-छात्राओं को दी गईं। इनमें 6190 स्नातक व 1948 परास्नातक विद्यार्थी शामिल हैं। इस दौरान कुलसचिव प्रो. सत्येंद्र सिंह, प्रो. एससी वर्मा, दून विवि की कुलपति डॉ. सुरेखा डंगवाल, वित्त नियंत्रक बीके जंतवाल, परीक्षा नियंत्रक डॉ. वीके पटेल मौजूद रहे।

छात्रों को उपाधि व मेडल देते राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह (से नि)। सूचना विभाग

संस्कृत में भी लिखा डिग्री पर नाम

कुलपति प्रो. ओंकार सिंह ने बताया, पहली बार विवि की ओर से हिंदी और अंग्रेजी के अलावा संस्कृत भाषा में भी उपाधियां अंकित की गई हैं। वहीं, राज्यपाल ने कहा, संस्कृत में उपाधियां अंकित करवाकर विवि ने संस्कृत भाषा के प्रति उनके और सरकार के विजन को एक आयाम दिया है।

स्वरोजगार के लिए करें शिक्षा व ज्ञान का उपयोग : राज्यपाल

राज्यपाल ले. ज. (सेनि.) गुरमीत सिंह ने छात्रों को प्रोत्साहित करते हुए कहा, वे रोजगार पाने की लाइन में खड़े होने के बजाय स्वरोजगार के लिए अपनी शिक्षा और ज्ञान का उपयोग करें। उनका काम, उनके भविष्य और विवि की प्रतिष्ठा को पूरी दुनिया के सामने रखेगा।